Baba’s Praise

26/3/2015

- यह है पुरानी दुनिया नर्क, सतयुग-त्रेता को कहा जाता है शिवालय। शिवबाबा की स्थापना की हुई है ना।

- अभी तुम बच्चों पर वृक्षपति बाप द्वारा ब्रहस्पति की दशा बैठी है।

- 84 का राज तुम बच्चों को बाप ही बैठ समझाते हैं और धर्म वाले तो 84 जन्म लेते नहीं।

- बाप कहते हैं मैं संगमयुग पर ही स्वर्ग की स्थापना करने आता हूँ।

- यह बाप की कितनी बड़ी युनिवर्सिटी है, जिससे तुम यह लक्ष्मी-नारायण बनते हो।

- बाप ऊंच उठाने आते, यह अपनी सत्यानाश कर देते। श्रीमत कहती है-पवित्र बनो, दैवीगुण धारण करो।

- यह तो बाप कितना खजाना देते हैं। उबासी देना घाटे की निशानी है।

- तुम बाप से वर्सा ले रहे हो भविष्य 21 जन्मों के लिए।

- पतित-पावन बाप से कोई बात छिपानी नहीं चाहिए। सर्जन से छिपाया तो बीमारी छूटेगी नहीं। यह है बेहद का अविनाशी सर्जन।